सेतुबंध कार्यक्रम कार्यान्वय **- 2025**

दोड्डालदा मरदा हाईस्कूल, चुंचनकुप्पे, बेंगलुरु दक्षिण तालुका, बेंगलुरु नगर जिला।

कक्षा: 10वीं। विषय: तृतीया भाषा हिंदी ।

दिनांक :_____ से _____तक।

प्राप्त अवधि:_____

अध्यापक: संतोष कोड़ावत जी टी
मोबाइल नंबर:,9901792199

सेतुबंध कार्यक्रम कार्यान्वय **- 2025**

अध्ययन का क्षेत्र	अपेक्षित कौशल	सुझाए गए विधियाँ	विशिष्ट सीखने के उद्देश्य
1. वर्णमाला और उच्चारण का सुदृढ़ीकरण	- देवनागरी लिपि की पहचान और सही लेखन	- वर्णमाला चार्ट का उपयोग	- छात्र देवनागरी लिपि के सभी वर्णों को पहचान सकेंगे और शुद्ध रूप से लिख सकेंगे।
	- अक्षरों और मात्राओं का सही उच्चारण	- श्रुतलेख (dictation)	- छात्र हिंदी के सभी अक्षरों और मात्राओं का सही उच्चारण कर सकेंगे।
	- संयुक्त अक्षरों और द्वित्व व्यंजनों का ज्ञान	- उच्चारण अभ्यास और दोहराव	- छात्र संयुक्त अक्षरों और द्वित्व व्यंजनों को पहचान सकेंगे और उनका सही उच्चारण कर सकेंगे।
2. आधारभूत व्याकरणिक संरचनाएँ	- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया की पहचान और प्रयोग	- सरल वाक्य रचना का अभ्यास	- छात्र सरल वाक्यों में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों को पहचान सकेंगे और उनका उचित प्रयोग कर सकेंगे।
	- लिंग, वचन, कारक की सामान्य जानकारी	- चित्रों और उदाहरणों के माध्यम से व्याकरणिक नियमों को समझना	- छात्र हिंदी के सामान्य लिंग, वचन और कारक चिह्नों को पहचान सकेंगे।
	- काल (वर्तमान, भूत, भविष्य) का सामान्य परिचय	- रिक्त स्थान भरो और वाक्य बदलो जैसे अभ्यास	- छात्र वर्तमान, भूत और भविष्य काल के सरल वाक्यों को पहचान सकेंगे और बना सकेंगे।
3. शब्द भंडार विकास	- सामान्य शब्दों का अर्थ	- चित्र शब्दकोश का उपयोग	- छात्र दैनिक जीवन में

सेतुबंध कार्यक्रम कार्यान्वय - **2025**

अध्ययन का क्षेत्र	अपेक्षित कौशल	सुझाए गए विधियाँ	विशिष्ट सीखने के उद्देश्य
	समझना और प्रयोग करना		उपयोग होने वाले सामान्य शब्दों के अर्थ बता सकेंगे और उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
	- पर्यायवाची और विलोम शब्दों की पहचान	- शब्द पहेलियाँ और खेल	- छात्र कुछ सामान्य पर्यायवाची और विलोम शब्दों को पहचान सकेंगे।
	- मुहावरों और लोकोक्तियों का सामान्य परिचय	- कहानियों और कविताओं के माध्यम से नए शब्दों का सीखना	- छात्र कुछ सरल मुहावरों और लोकोक्तियों को पहचान सकेंगे और उनका अर्थ समझ सकेंगे।
4. पठन कौशल का विकास	- सरल पाठों को समझकर पढ़ना	- सामूहिक पठन	- छात्र सरल हिंदी पाठों को उचित गति और प्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे और उनका सामान्य अर्थ समझ सकेंगे।
	- मुख्य विचारों और सूचनाओं की पहचान करना	- मौन पठन और सारांश लेखन	- छात्र पढ़े हुए पाठों में से मुख्य विचारों और महत्वपूर्ण सूचनाओं को पहचान सकेंगे।
	- पाठ्य सामग्री से प्रश्नों के उत्तर देना	- प्रश्नोत्तर सत्र	- छात्र पढ़े हुए पाठों के आधार पर पूछे गए सरल प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
5. लेखन कौशल का विकास	- सरल वाक्यों और अनुच्छेदों का लेखन	- देखकर लिखना (copying)	- छात्र सरल हिंदी वाक्यों और छोटे अनुच्छेदों को शुद्ध रूप से लिख सकेंगे।
	- चित्र वर्णन और अनुच्छेद लेखन का अभ्यास	- निर्देशित लेखन (guided writing)	- छात्र चित्रों को देखकर सरल वाक्यों और अनुच्छेदों में उनका वर्णन कर सकेंगे।
	- पत्र लेखन और संवाद लेखन का सामान्य परिचय	- रचनात्मक लेखन के लिए प्रोत्साहित करना	- छात्र सरल औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लिख सकेंगे और छोटे संवादों को लिख सकेंगे।
6. श्रवण और वाचन कौशल का विकास	- सरल निर्देशों और वार्तालापों को समझना	- कहानियाँ और कविताएँ सुनना	- छात्र सरल हिंदी निर्देशों और सामान्य बातचीत को समझ सकेंगे।
	- स्पष्ट और आत्मविश्वास से बोलना	- रोल प्ले और नाटक	- छात्र सरल विषयों पर स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ हिंदी में बोल सकेंगे।
	- प्रश्नों को समझना और उत्तर देना	- समूह चर्चा	- छात्र हिंदी में पूछे गए सरल प्रश्नों को समझ सकेंगे और उनका उचित उत्तर दे सकेंगे।